पत्रकार वार्ता के मुख्य बिंदु **सितम्बर** 10, 2015

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला ने पत्रकारों को संबोधित किया।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि हवाबाज और दगाबाज सरकार के रुप में इस देश में मोदी सरकार की पहचान बन गई है। जुम्लों की हवाबाजी और जनता से दगाबाजी। यह मोदी सरकार को लेकर इस देश के 125 **करोड़ लोगों की जुबान पर है।**

देश के 125 **करोड़ लोग निर्णय करें कि दगाबाज लोग कौन हैं। जिन्होंने चुनावों से पहले हर व्यक्ति के खाते में कालेधन को वापिस लाकर** 15 **लाख रुपया जमा करवाने का हवाबाज वायदा किया था और सत्ता में आने के बाद उसको जुमला कहकर हवा में उड़ा कर दगाबाजी की।**

देश के 125 **करोड़ लोग निर्णय करें कि दगाबाज लोग कौन हैं, जिन्होंने चुनाव से पहले किसान को कीमत का** 50% **मुनाफा देने का हवाबाजी वायदा किया और सत्ता में आने के बाद देश के किसानों को आत्महत्या की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया।**

देश के 125 **करोड़ लोग निर्णय करें कि दगाबाज लोग कौन हैं, जिन्होंने** 100 **दिन के अंदर बेशर्त वन रेंक वन पेंशन देने का वायदा किया और सत्ता में आने के बाद** 5 **सितम्बर को** OROP **की घोषणा की,** 6 **सितम्बर को फरीदाबाद में पीएम जी ने छाती ठोक-ठोक कर बड़ी - बड़ी बातें की। परंतु** 5 **दिन तक जबतक आचार संहिता नहीं लगी तब तक कोई लिखित आदेश** OROP **को लेकर सरकार ने जारी नहीं किया। देश के सैनिक आज भी लगभग** 90 **दिन से धरने पर बैठे हैं, लेकिन** OROP **को लेकर कोई लिखित आदेश नहीं। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि जो सैनिक हमारे प्री मेच्योर रिटार्यमेंट लेते हैं वह** OROP **की परिभाषा में आयेंगे भी की नहीं।** 2 **साल के बाद पेंशन का पुर्न:विचार क्यों नहीं हो सकता? इसका जवाब पीएम जी देते नहीं।**

पेंशन समीक्षा कमेटी के अंदर हमारे सैनिकों और पूर्वसैनिकों को क्यों नहीं लिया जा सकता है। इस पर कोई भी स्थिति स्पष्ट नहीं।

देश के 125 **करोड़ लोग निर्णय करें कि दगाबाज कौन है, जिन्होंने गुड गवर्नेंस और अर्थव्यवस्था को सद्दढ़ करने का हवाबाज वायदा किया था, परंतु सत्ता में आने के बाद देश की अर्थव्यवस्था को पाताल के धरातल में ले जाकर पहुंचा दिया।**

इसलिए देश का कोई ऐसा वर्ग अछूता नहीं है जो मोदी जी की हवाबाजी और दगाबाजी से अछूता रहा हो। हम आदरणीय प्रधानमंत्री जी से जरुर अनुरोध करेगें कि प्रधानमंत्री पद की गरिमा इतनी ना गिराएं कि देश के लोग प्रधानमंत्री पर संपूर्ण विश्वास करना छोड़ दें। जो लगभग इस समय हुआ है और 125 **करोड़ लोगों की जुबान पर यही नारा आ जाए कि जुमलों की हवाबाजी और जनता से दगाबाजी अब मोदी जी की नई पहचान है।**

एक प्रश्न पर कि जो कालेधन पर जो हवालावाद है, उस पर बात हो रही है? जवाब देते हुए श्री सुरजेवाला ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी यह जान लें कि दो सबसे बड़े हवाले की घटना कहाँ हुई, जो वहां हुई जहां के वह मुख्यमंत्री रह चुके हैं। 5000 करोड़ रुपये की क्रिकेट बैटिंग घोटाला और हवाला गुजरात में हुआ जिसमें आज तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। अफरोज फट्टा और दूसरे लोगों का 700 करोड़ से अधिक हवाल और घोटाला वह भी गुजरात में हुआ। इस पर भी आज तक कोई संपूर्ण कार्यवाही नहीं हुई है। इसलिए अगर उनका इशारा स्वयं के मार्गदर्शक नेताओं की तरफ है तो हमें इसकी जानकारी नहीं है।

एक अन्य प्रश्न पर कि बीजेपी सरकार का आरोप है कि GST को कांग्रेस नहीं पास होने दे रही है? जवाब देते हुए सुरजेवाला ने कहा कि 125 करोड़ लोग निर्णय करें कि जिन्होंने 7 साल तक मुख्यमंत्री पद पर रहकर लगातार GST का विरोध किया और उनके दोनों बयानों को बतौर वीडियो चलाकर हमने दिखाया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस उस मां की तरह है जिसने GST को अपने गर्भ में पाला, पोसा और पैदा किया। कानून हम लेकर आए और 7 साल तक मोदी जी और अरुण जेटली जी ने उसको पारित नहीं होने दिया। कांग्रेस अगर यह कहती है कि जनता पर 18% से ज्यादा GST का कर नहीं लगा चाहिए तो यह कांग्रेस के हक में नहीं, जनता के हक में है। कांग्रेस अगर यह कहती है कि हर प्रांत 1% अतिरिक्त कर लगाएगा तो कर का बोझ बढ़ जाएगा और GST के मायने खत्म हो जांएंगे। तो यह जनता के हित में है। कांग्रेस अगर यह कहती है कि आप खुद ही जज होंगे और खुद ही दोषी होंगे GST में विवादों का निर्णय करने के लिए, इसके लिए निष्पक्ष एंजेसी होनी चाहिए, तो यह जनता के हक में है। अगर कांग्रेस यह कहती है कि अगर नगरपालिकाएं हैं, पचांयतें हैं उनको GST कर का एक हिस्सा मिलना चाहिए तो वह देश के हक में होगा। कांग्रेस के सुझाव देश के हक में हैं, विरोध में नहीं।

एक अन्य प्रश्न पर कि गैस सब्सिड़ी पर 19 हजार करोड़ के घोटाले का एक और आरोप लगाया है पिछली सरकार पर? इस पर आप क्या कहेंगे? जवाब देते हुए श्री सुरजेवाला ने कहा कि पीएम जी याद करें कि वह नरेगा से लेकर और आधार कार्ड़ तक उन सबका विरोध कौन करता आया है। उनके कैबिनेट के मंत्री जब सभा करने बैंगलोर गए थे, तब आधार को देश की सबसे विफलतम स्कीम बताया गया था और देश की संसद के पटल पर खड़े होकर MG नरेगा जो दुनिया की सबसे ज्यादा रोजगार देने वाली स्कीम है उसको कांग्रेस की कमी का सबसे बड़ा उदाहरण बताया था। परंतु पीएम जी अपनी कही और करनी दोनों भूल जाते हैं, क्योंकि उनकी नियत में खोट है।

एक अन्य प्रश्न पर जवाब देते हुए श्री सुरजेवाला ने कहा कि सउदी अरेबिया के राजदूत द्वारा नेपाल की दो महिलाओं के साथ बलात्कार करने की घटना की कांग्रेस पार्टी निंदा करती है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस देश के विदेश मंत्रालय और पीएम से निवेदन करती है कि यह पूरा मामला राजदूत के स्तर पर भारत की सरकार सउदी अरेबिया की सरकार के साथ बात करे ताकि उस राजदूत को हटाकर कानून के अनुरुप जो अपराध हुआ है, उसके तहत कार्यवाही की जाए।

एक अन्य प्रश्न पर कि राजस्थान सरकार ने एक फरमान जारी किया है कि 25 सितम्बर की छुट्टी को

कैंसल कर दिया जाए उसकी जगह रक्तदान शिविर लगाया जाएगा? जवाब देते हुए श्री सुरजेवाला ने कहा कि बीजेपी सत्ता में आने से पहले गुड़ गवर्नेंस का जुम्ला दिया करती थी। इसका मतलब यह नहीं होता कि विवाद खड़ा करके केवल शासन से ध्यान हटाना नहीं। महाराष्ट्र में 700 से अधिक किसानों ने आत्महत्या की है, किसानों के पास पीने के लिए पानी तक नहीं है, फसल पैदा करने के लिए बीज तक नहीं है, परंतु सरकार को लोग क्या खाएंगे क्या पीएंगे उस पर ध्यान है, ऐसा ही राजस्थान सरकार कर रही है। सरकार जब 25 सितम्बर को गुड़ गवर्नेंस के तौर पर अपनाती है तो इसी तरह का प्रांतीय उदाहरण वह अपनी सरकारों को दे रहे हैं। इस तरह के तुगलकी फरमान जनता पर थोपने का कांग्रेस कड़ा विरोध करती है।